श्रीराधासुधानिधि में सखीभाव

रानी मिश्रा

रसोपासना परम्परा का समस्त प्रारुप 'सखीभाव' पर टिका हुआ है। गोस्वामी हितहरिवंश महाप्रभु 'सखीभाव' को मान्यता प्रदान करते हैं। रसोपासना के अन्तर्गत जिस माधुर्य जगत की सृष्टि होती है, उसके चार स्तम्भ है –1. परम दम्पत्ति श्यामा श्याम 2. नित्य विहार 3. नित्यवृन्दावन 4. सखी। कृष्ण भक्ति परम्परा में इन चारों को हम उपस्थित पाते हैं, किन्तु उनका विशिष्टतम और परम विलक्षण स्वरुप रसोपासना के अन्तर्गत ही देखने को मिलता है। श्रीराधारानी की सहचरियाँ प्राण श्रेष्ठ प्रियतम, रतिलम्पट श्री श्यामसुन्दर के प्राप्त होने पर भी श्रीराधा पद रस का ही रसास्वादन करती हैं।